बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 128 ● नई दिल्ली ● सोमवार 02 मार्च 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली पुलिस का साइबर ठगों पर बड़ा एक्शन: 11 राज्यों में छापेमारी, डेढ़ करोड़ की ठगी का खुलासा - 27 आरोपी पकड़े

नई दिल्ली । पश्चिम जिला साइबर सेल ने जालसाजों के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई करते हुए 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन मामलों में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की ठगी सामने आई है, जबकि आरोपियों के बैंक खातों में करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। जिला पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बताया कि साइबर सेल की टीम ठगी के मामलों की जांच कर रही थी। तकनीकी जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और फिर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों में एक साथ दबिश दी गिरफ्तार आरोपियों का संबंध निवेश ठगी, एपीके फाइल ठगी, चाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए ठगी, क्रेडिट कार्ड जालसाजी सहित अन्य ठगी से है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लॉन्च करेंगी पिंक एनसीएमसी कार्ड, मुफ्त डीटीसी बस यात्रा संग मेट्रो-आरआरटीएस में भी मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार दो मार्च यानी सोमवार को पिंक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड लॉन्च करने जा रही है। यह कार्ड दिल्ली में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने के साथ-साथ एक ही स्मार्टकार्ड के माध्यम से कई सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों तक निर्बाध पहुंच सक्षम बनाएगा।

लॉन्च समारोह और अन्य योजनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली नामक कार्यक्रम में इस योजना का औपचारिक शुभारंभ करेंगी।

इसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति दिल्ली में सभी राशन कार्ड धारक परिवारों को होली और दीवाली के अवसर पर प्रतिवर्ष दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान करने वाली योजना का भी शुभारंभ करेंगी।

मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, यह लाभ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से दिया जाएगा।

राशन कार्ड जिसके नाम पर जारी किया गया है, उस परिवार के प्रमुख के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में वर्तमान एलपीजी सिलेंडर की कीमत के बराबर राशि जमा की जाएगी। यह योजना दिल्ली में लगभग 15.5 लाख (1.55 मिलियन) राशन कार्ड धारक परिवारों को कवर करने की उम्मीद है, जिससे खाना पकाने के ईंधन पर वित्तीय बोझ कम होगा और परिवार त्योहारों को गरिमा और आराम से मना सकेंगे।

पिंक कार्ड की मुख्य विशेषताएं

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिंक कार्ड दिल्ली की महिला निवासियों को दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन बसों में मुफ्त यात्रा की अनुमति देगा। साथ

ही, यह मेट्रो, रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टमऔर अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर भुगतान वाली यात्रा के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ और डिजिटल बनाने, महिलाओं के दैनिक यात्रा खर्च कम करने तथा शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुधारने के लिए डिजाइन की गई है।

विभिन्न प्रकार के मोबिलिटी कार्ड

योजना के तहत तीन प्रकार के मोबिलिटी कार्ड जारी किए जाएंगे...

पिंक कार्ड - पात्र महिला निवासियों के लिए

ब्लू कार्ड - सामान्य यात्रियों के लिए

ऑरेंज कार्ड - मासिक पास उपयोगकर्ताओं के लिए

पहले चरण में पिंक और ब्लू कार्ड जारी किए जाएंगे, जबकि ऑरेंज कार्ड बाद में लॉन्च किया जाएगा।

कार्ड जारी करने की व्यवस्था

दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने हिंदन मर्केंटाइल लिमिटेड (मुफिनपे) और एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को कार्ड जारी करने की अधिकृत किया है। ये कार्ड दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में मौजूदा ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम के साथ एकीकृत होंगे। पिंक कार्ड पूरी तरह मुफ्त प्रदान किया जाएगा, जिसका खर्च दिल्ली सरकार वहन करेगी।

कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया

कार्ड जारी करने के लिए लगभग 50 केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनमें जिला मजिस्ट्रेट और उप-मंडल मजिस्ट्रेट कार्यालय तथा चयनित डीटीसी स्थान शामिल हैं। प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी, जिसमें न्यूनतम दस्तावेज़ों की आवश्यकता होगी। प्रत्येक पिंक कार्ड लाभार्थी के मोबाइल नंबर और आधार से लिंक होगा, ताकि आयु, लिंग और दिल्ली निवास की पुष्टि हो सके।

पिंक कार्ड मौजूदा कागजी पिंक टिकटों की जगह लेगा, जिससे टच-फ्री यात्रा, यात्राओं का डिजिटल रिकॉर्ड और राजस्व लेखांकन में बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। लॉन्च समारोह में चयनित महिला लाभार्थियों को पिंक एनसीएमसी कार्ड सौंपे जाएंगे, जो राजधानी में अधिक एकीकृत और महिला-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

जामियानगर के ओखला विहार में अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ नारेबाजी, भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली ।

ईरान पर इस्राइली और अमेरिका ने मिलकर हमला किया। जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। खामेनेई की मौत के बाद भारत के कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। वहीं, दिल्ली के जामियानगर इलाके के ओखला विहार में शिया समुदाय के करीब 100 से 150 लोग इकट्ठा हुए। इन लोगों ने अमेरिका ओर इस्राइली के खिलाफ नारेबाजी की। जोहर की नमाज से पहले थोड़ी देर नारेबाजी हुई। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए अमेरिकी और इस्राइली नेताओं (डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू) के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया जताई। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने हालात पर नजर बनाए रखी। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई के प्रति समर्थन और अमेरिका-इस्राइल के हमलों की निंदा भी की। लखनऊ में भी शिया समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए। उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह बैठक में सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी बढ़ा दी गई है। वहीं कश्मीर के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए। अधिकारियों के अनुसार, खासतौर पर शिया आबादी वाले इलाकों में सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ नारे लगाए, ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की और हमले की निंदा की। प्रदर्शनों में खामेनेई की तस्वीरें और ईरान के समर्थन में बैनर दिखाए गए, साथ ही काले झंडे और पारंपरिक शोक गीत (नौहा) भी गाए गए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार हालात पर नजर रखे हुए है और विदेश मंत्रालय के संपर्क में है ताकि ईरान में मौजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों, खासकर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की मौत के विरोध में जंतर मंतर पर लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों में ईरान पर हो रहे हमले के विरोध में नारे लगाए।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा शुरू; 15 मार्च को कोलकाता में पीएम मोदी की मेगा रैली

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 मार्च को मध्य कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक विशाल रैली को संबोधित करेंगे। यह विशाल रैली भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई की ओर से रविवार से शुरू की गई परिवर्तन यात्रा के समापन का भी प्रतीक होगी। रविवार और सोमवार को राय के नौ स्थानों से नौ अलग-अलग रैलियां निकलेंगी। भाजपा ने जानकारी दी है कि तीन और चार मार्च को डोल यात्रा और 4 मार्च को होली के कारण कोई रैली नहीं होगी। रैलियां पांच मार्च से फिर से शुरू होंगी और राय के सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने के बाद पूरी होंगी।

भाजपा के एक राय समिति सदस्य ने कहा, परिवर्तन यात्रा का आधिकारिक समापन 15 मार्च को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री की रैली के साथ होगा। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा अंतिम समय में कार्यक्रम में बदलाव किए

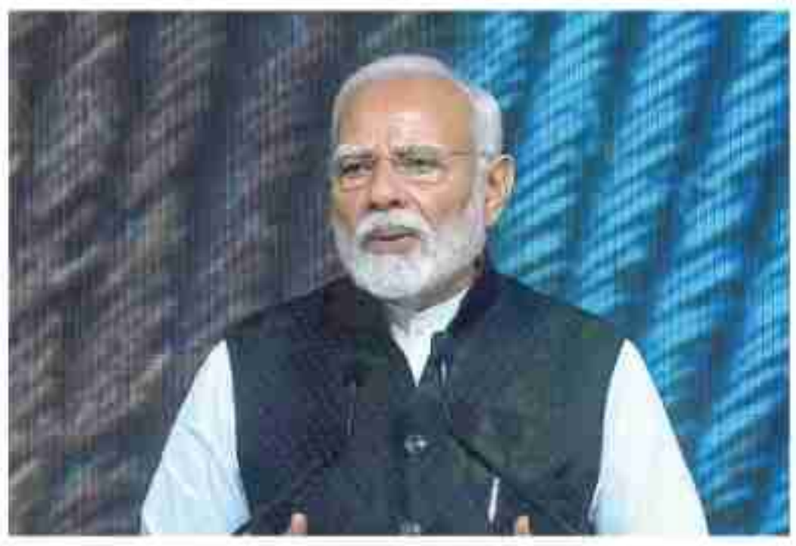

जा सकते हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को दक्षिण परगना जिले के रायदीघी में आयोजित होने वाली नौ रैलियों में से एक के शुभारंभ में उपस्थित रहेंगे। रायदीघी रैली पहले रविवार को निर्धारित थी, लेकिन बाद में इसे सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या गृह मंत्री शाह 15 मार्च को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाली रैली में भी उपस्थित रहेंगे, जहां मुख्य वक्ता प्रधानमंत्री होंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों सहित भाजपा के कई अन्य दिग्गज केंद्रीय नेता प्रस्तावित परिवर्तन यात्रा में भाग लेने वाले हैं। इनमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आदि शामिल हैं।

शराब घोटाले में कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद एक्शन मोड में केजरीवाल, जंतर मंतर पर आप की जनसभा

नई दिल्ली । शराब घोटाले में आरोप मुक्त होने के बाद का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक्शन मोड में आ गए हैं। जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी की जनसभा में अरविंद केजरीवाल ने संबोधन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, %देश में इस समय डर का माहौल है और उसके बावजूद जज साहब ने देश के हक़ में धाकड़ फैसला सुनाया, उसके लिए मैं जज साहब का शुक्रिया अदा करता हूं।

जज साहब ने मोदी जी और भाजपा के झूठ पर तमाचा मारते हुए कहा है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी बेईमान नहीं बल्कि कट्टर ईमानदार हैं। देश की जनता कांग्रेस से परेशान हो गई थी और लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदी जी की

सरकार बनाई थी। लेकिन कुछ नहीं सुधरा बल्कि और भी ज्यादा बर्बाद कर दिया है। पूरे देश में पेपर लीक हो रहे हैं और ये परीक्षा पर चर्चा की नौटंकी कर रहे हैं।

10 साल में एक पैसा भी करप्शन का नहीं मिला- केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा, आईआईटी में मेरे बहुत अच्छे नंबर आए थे। मैं पढ़ाई में अच्छा था। अगर मैं चाहता तो अमेरिका जाकर पढ़ सकता था। मेरे कई दोस्त अमेरिका गए। लेकिन उस समय मेरे मन में एक ख्याल आया- हमारे देश की हालत बहुत खराब है। अगर हम सब पढ़े-लिखे लोग, आईआईटी और बड़े इंस्टीट्यूशन में पढ़कर अमेरिका चले गए, तो हमारे देश का ख्याल कौन रखेगा हमारे देश को कौन ठीक करेगा मैं अमेरिका नहीं गया। मैं इंडिया में ही रहा, मुझे नहीं पता कि प्राइम मिनिस्टर मोदी मुझसे क्यों नफरत करते हैं। प्राइम मिनिस्टर मोदी ने मेरे खिलाफ अनगिनत इंक्वायरी करवाईं। 10 साल में एक पैसा भी करप्शन का नहीं मिला। अगर दिल्ली सरकार का कोई कॉन्ट्रैक्टर, कोई वेंडर खड़ा होकर कहे कि केजरीवाल ने पैसे मांगे, तो मैं पॉलिटिक्स छोड़ दूंगा। केजरीवाल ने कहा, गुजरात में भाजपा की 30 साल से सरकार है लेकिन वहां का बहुत बुरा हाल है। पूरी दुनिया चांद पर पहुंच गई है लेकिन इनसे सड़कें नहीं बन पा रही हैं। इनसे देश के शहरों की सफाई नहीं हो पा रही, हवा जहरीली हो चुकी है। मोदी जी, विकसित भारत बाद में बना देना, पहले रहने लायक तो बना दीजिए। वहीं, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा, हम सबने देखा है कि किस तरह से भाजपा ने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ षड्यंत्र किया। किस तरह झूठे आरोप लगाए गए। बिना किसी सबूत को जेल में डाला गया। आज दिल्ली वाले भी इस अत्याचार के भुक्तभोगी हैं। 10,000 बस मार्शलों को नौकरी से निकाला गया। आज अरविंद केजरीवाल सब लोगों को संबोधित करेंगे कि अब समय आ गया है मोदी जी की तानाशाही और अमित शाह की तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने का।

मार्च में ही टूटेगा गर्मी का पहाड़! दिल्ली-एनसीआर में पसीने से हाल-बेहाल

नई दिल्ली । मार्च के शुरुआती दिनों में ही गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है. मौसम विभाग की मानें तो 5 से 6 मार्च तक एनसीआर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. आईएमडी ने भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है और लगातार बढ़ते तापमान की चेतावनी दी है. मार्च और अप्रैल में ही इस बार मई-जून जैसी गर्मी पड़ने की संभावना जताई गई है. फरवरी भी असामान्य रूप से गर्म रहा और दोपहर के समय तेज तपिश महसूस की गई. अब शुरुआती मार्च से ही तापमान तेजी से ऊपर चढ़ रहा है और आने वाले दिनों में और वृद्धि होगी. मौसम विभाग के अनुसार, 1 मार्च को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने का अनुमान है, वहीं 6 मार्च तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंच सकता है. रात का तापमान 17 से 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना. फिलहाल 33 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं. पंखे और एयर कंडीशनर फरवरी से ही घरों में चलने लगे हैं. दोपहर के समय गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है. मौसम विभाग का कहना है कि होली के दिन भी मौसम गर्म रह सकता है और लोगों को तेज धूप का सामना करना पड़ेगा. भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 1 से 6 मार्च के बीच तापमान में लगातार वृद्धि होगी. हालांकि हवाएं अभी 33 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं, लेकिन इनके कमजोर पड़ने की संभावना है. हवाओं की रफ्तार कम होने पर गर्मी का असर और ज्यादा महसूस हो सकता है. मौसम वैज्ञानिक के अनुसार ला-नीना की स्थिति कमजोर हो रही है और समुद्री परिस्थितियां सामान्य चरण की ओर बढ़ रही हैं. मानसून के दौरान एल-नीनो विकसित होने की आशंका है, जिससे दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर पड़ सकता है और गर्मी बढ़ सकती है. वहीं इसके कारण इस साल सूखा पड़ने की भी आशंका बढ़ रही है.

मास्टर स्ट्रोक ही मास्टर स्ट्रोक!

अब बोलें क्या कहते है, मोदी जी के मास्टर स्ट्रोक का मास्टर होने पर सवाल उठाने वाले। कम से कम मोदी जी के इज़रायल दौरे और ईरान पर इज़रायल के हमले की क्रोनोलॉजी सामने आने के बाद तो ऐसे सवाल उठाने वालों के मुंह बंद हो ही जाने चाहिए। आखिरकार, ऐसी कमाल की टाइमिंग किसी नेहरू, किसी इंदिरा की थी क्या सिर्फ दो दिन का दौरा–25 की सुबह रवानगी और 26 की शाम, वापसी। और 28 की सुबह, ईरान पर इज़रायल का हमला चालू बल्कि हमला भी कहां, महज 'निवारक प्रहार'। यानी लड़ाई की सारी तनातनी के बीचो-बीच, मोदी जी इज़रायल पहुंच भी गए, अपने पक्के दोस्त बीबी उर्फ नेतन्याहू से झप्पी-पप्पी भी कर ली, इज़रायल की संसद को सदा साथ देने का भरोसा भी दे दिया। और इससे पहले कि इज़रायल अपना हमला शुरू करता, लौटकर सुरक्षित घर भी आ गए। बल्कि जब ईरान पर इज़रायल का हमला शुरू हुआ, तब तक तो मोदी जी अजमेर में कई सरकारी उद्घाटनों के साथ, अपने एआई ईवेंट का मजा किरकिरा करने वाले नौजवानों के बहाने, विरोधियों पर एक बार फिर हमला भी कर चुके थे। अगर तेल अवीव में मोदी जी का ''डीयर फ्रेंड'' अपने हमले में ईरान के तबाह हो जाने के दावे कर रहा था, तो अजमेर में नेतन्याहू का ''ब्रदर'' विपक्षी प्रदर्शनकारियों पर हमला करने वालों की पीठ ठोक रहा था। मोदी जी ने ऐन मौके पर पहुंच कर नेतन्याहू के कान में जो शांति का मंत्र दिया था, वह युद्ध के मैदान में बखूबी काम कर रहा था–मंत्र पाने वाले पर ही नहीं, मंत्र देने वाले पर भी! घर में घुसकर मारने का शांति मंत्र है ही ऐसा! लेकिन, यह विरोधियों का झूठा प्रचार है कि मोदी जी, ईरान पर हमले के लिए ''डीयर फ्रेंड'' को अपना समर्थन देने के लिए ही दौड़े-दौड़े इज़रायल गए थे। सोचने की बात है, समर्थन देने के लिए मोदी जी को निजी हवाई जहाज लेकर, दौड़े-दौड़े तेल अवीव जाने की क्या जरूरत थी डियर फ्रेंड चाहे वाशिंगटन में बैठता हो या तेल अवीव में, डीयर फ्रेंडों के लिए मोदी जी का समर्थन हमेशा ही बना रहा है। मोदी जी को कम से कम बार-बार मिलकर, अपने समर्थन का भरोसा दिलाने की जरूरत तो नहीं ही पड़ती है। फिर नेतन्याहू के ''जो ठीक समझो करने'' के लिए मोदी जी का समर्थन पिछले दो-ढाई साल से यानी हमास के सफाए के नाम पर फिलिस्तीनियों के सफाए की डियर फ्रेंड की मुहिम की शुरुआत से ही बना हुआ है। और रही ईरान पर हमले की बात तो पिछले साल भी तो इज़रायल ने ईरान पर हमला किया था, जिसके पीछे-पीछे अमेरिका ने भी हमला किया था। तब क्या मोदी जी ने इज़रायल को हमला करने से मना किया था तब तो हमले से पहले मोदी जी को दौड़े-दौड़े इज़रायल जाने की जरूरत नहीं पड़ी थी। साफ है कि यह इल्जाम झूठा है कि हमले से ठीक पहले इज़रायल को समर्थन देने के लिए ही मोदी जी दौड़े-दौड़े तेल अवीव गए थे। जाहिर है कि मोदी जी पर ऐसे इल्जाम लगाने वाले यह दिखाना चाहते हैं कि मोदी जी के दौरे से जो भी मिला है, इज़रायल को ही मिला है; भारत को कुछ नहीं मिला है। सच पूछिए तो यह एक फैशन सा ही हो गया है बल्कि यह भी एक अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्री टूल किट का हिस्सा है कि मोदी जी जब भी किसी डियर फ्रेंड से मिलने जाते हैं, सोशल मीडिया में उनके गले पड़ो और खी-खी-खी करने के वीडियो चलाए जाते हैं और विरोधी सुर में सुर मिलाकर पूछने लगते हैं–इस दौरे से भारत को क्या मिला इसीलिए तो मोदी जी जहां भी जाते हैं, जाने से पहले कोई न कोई सम्मान पाने का जुगाड़ जरूर बैठाकर जाते हैं। मोदी जी के सम्मान के बाद, विरोधियों के मुंह अगर बंद नहीं भी हो जाएं, तब भी कम से कम वे यह नहीं कह पाते हैं कि भारत को क्या मिला सम्मान! सम्मान से बढ़कर, कोई विश्व गुरु को और दे भी क्या सकता है इस बार इज़रायल की यात्रा में तो मोदी जी ने कमाल ही कर दिया। वह तो मास्टर स्ट्रोक का भी मास्टर स्ट्रोक हो गया। मोदी जी सिर्फ सम्मान ही नहीं लेकर आए, वह एकदम नया-निकोर सम्मान लेकर आए हैं। मोदी जी एक ऐसा सम्मान लेकर आए हैं, जो न उनसे पहले किसी को मिला है और न उनके बाद ही किसी को मिलने की संभावना है। मोदी जी विश्व में इस सम्मान को पाने वाले अकेले हैं और बीबी से दोस्ती बनी रहे, मोदी जी विश्व में इस सम्मान को पाने वाले अकेले ही बने रहेंगे। विरोधी जलते हैं जो यह प्रचार कर रहे हैं कि इस डीयर फ्रेंड ने भी मोदी जी को सस्ते में निपटा दिया बल्कि एक तरह से ठग ही लिया। पुरस्कृत करने का लालच देकर, लड़ाई छेड़ने से ठीक पहले बुला लिया, अपना समर्थन भी करा लिया और पुरस्कार के नाम पर, इज़रायल का सर्वोच्च सम्मान देने के बजाए, एक झूठा मैडल थमा दिया। पर सच पूछिए तो झूठा तो वह मैडल होता है, जो पहले किसी और को दिया गया हो, जिस पर पहले किसी और के हाथ लगे हों। नया-निकोर मैडल, झूठा हो ही कैसे सकता है बल्कि हम तो कहते हैं कि जो सम्मान पहले किसी को दिया जा चुका हो, उसे सर्वोच्च कहना ही गलत है वहां तो बराबर में दूसरे लोग, पहले से बैठे हुए हैं। सम्मान तो नया निकोर ही सर्वोच्च हो सकता है, वह भी तब जब इसकी गारंटी हो कि आगे किसी को दिया भी नहीं जाएगा। फिर मोदी जी इज़रायल से सिर्फ पुरस्कार थोड़े ही लेकर आए हैं इज़रायली संसद का पुरस्कार याद रहा, पर संसद में मोदी जी का भाषण कैसे भूल गए–इज़रायल फादरलैंड एंड इंडिया मदरलैंड वाला भाषण। बेशक, भाषण दिया जाता है, पर उसमें बजी तालियां तो मोदी जी देश तक लेकर आए ही हैं। और पूर्व-सांसदों की मोदी-मोदी भी! माना कि विपक्ष का बहिर्गमन भी साथ आया है, पर एक नेहरू पछाड़ रिकार्ड भी तो मोदी ने अपने नाम करा लिया है बल्कि अपने से पहले के सभी प्रधानमंत्रियों को पछाड़ने वाला रिकार्ड। मोदी जी भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिसने इज़रायल की संसद को संबोधित किया है और वह भी मोदी-मोदी कराने के साथ। सच पूछिए तो यह तो विश्व रिकॉर्ड ही हो गया। ट्रंप के संबोधन के टैम पर भी ट्रंप-ट्रंप थोड़े ही हुआ था! वैसे लाने को तो मोदी जी पेगासस टाइप और भी कुछ न कुछ अपनी गुप्त जेब में डालकर लाए होंगे, पर राष्ट्र की और अपनी भी सुरक्षा की खातिर उसकी चर्चा हम नहीं करें तो ही बेहतर है। विश्व रिकॉर्ड बनाकर, एक नया पुरस्कार गढ़वा कर, अपनी शॉपिंग लिस्ट पहुंचाकर, लड़ाई छिड़ने से ऐन पहले मोदी जी सुरक्षित लौट आए, देश को यह हकीकत बताने कि उनके एआई इवेंट में उनके भक्तों ने विरोध प्रदर्शन करने वालों पर जूते भी चलाए थे! यह मास्टर स्ट्रोक नहीं तो और क्या है।

शराब घोटाला और न्यायपालिका

देश के इतिहास में अलग-अलग समय पर न्यायपालिका ने संविधान, लोकतंत्र की मजबूती एवं रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। न्यायपालिका ने कार्यपालिका, विधायिका और अलग-अलग जांच एजेंसियों के खिलाफ अंतिम उम्मीद वाले संस्थान की प्रतिष्ठा हासिल की है। न्यायपालिका ने खुद को एक जिम्मेदार संस्थान के रूप में स्थापित किया है और इस तरह कानून के शासन की वास्तविकता को दिखाया है। यही कारण है कि देशवासियों का विश्वास न्यायपालिका पर कायम है। दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, तेलंगाना की राजनीतिज्ञ के. कविता समेत सभी को बरी कर दिया है। यह फैसला निष्पक्ष कानूनी प्रक्रिया के मूलभूत महत्व को प्रतिष्ठापित करता है। अदालत ने केन्द्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की कार्यप्रणाली और जांच करने के तरीके पर बहुत सारे सवाल खड़े किए हैं। आम लोगों के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां सुनियोजित साजिश के तहत विपक्ष के नेताओं या अन्य लोगों के खिलाफ केस बनाती है। दोनों एजेंसियों के खिलाफ यह आरोप कोई नए नहीं है कि सरकार किसी भी राजनीतिक दल की क्यों न हो वह राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बदले की भावना से केन्द्रीय एजेंसियों को अपना हथियार बनाती रही है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि केवल बिना ठोस और पर्याप्त सबूतों के लगाए गए आरोपों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि शराब घोटाले में सीबीआई की साजिश की थ्योरी अनुमानों पर आधारित है। शराब घोटाले को लेकर सियासत में तूफान खड़ा हुआ था। इस तूफान से अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी का जनाधार प्रभावित हुआ और उसे दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा के हाथों पराजित होना पड़ा। भ्रष्टाचार के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए सामाजिक आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोपों ने सियासत का रुख मोड़कर रख दिया था। सीबीआई की लंबी प्रक्रिया 600 पृष्ठ की चार्जशीट कुछ कम नहीं आई। आरोप पत्र में कई पहलू विरोधाभासी पाए गए। अदालत ने पूर्व डिप्टी एक्साइज कमिश्नर कुलदीप सिंह को आरोपी नम्बर एक बनाए जाने पर भी गम्भीर टिप्पणी की। पीठ ने यह भी पाया कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ प्रथम दृष्टि में भी कोई मामला नहीं बनता। सीबीआई के आपराधिक इरादे और व्यापक साजिश के मामले को खारिज करते हुए, अदालत ने उसकी कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताई है-एक आरोपी को क्षमादान देने के बाद प्राप्त गवाहों के बयानों पर सीबीआई का भरोसा। अदालत ने दक्षिण समूह शब्द के प्रयोग के लिए एजेंसी को कड़ी और उचित फटकार लगाई है। सीबीआई का दावा था कि हैदराबाद स्थित व्यक्तियों ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को रिश्वत दी थी। अदालत ने कहा कि क्षेत्र-आधारित लेबलिंग संवैधानिक खामी है, क्योंकि आपराधिक मुकदमों में यह देखा जाना चाहिए कि आरोपी ने क्या किया, न कि आरोपी कौन है। अदालत ने सीबीआई के मामले की बारीकी से जांच करते हुए बताया कि अभियोजन सामग्री कानूनी रूप से स्वीकार्य साक्ष्य की सीमा को पूरा नहीं करती है, किसी नीति की विफलता अपने आप में अपराध का प्रमाण नहीं है और साजिश के आरोप अनुमानों या गवाहों के अपुष्ट बयानों पर आधारित नहीं हो सकते। अदालत ने जब्ती या वित्तीय साक्ष्य के अभाव के कारण मामले में मौजूद खामियों की ओर भी इशारा किया। इसमें कहा गया है, एक ऐसी प्रक्रिया जो एक अस्थायी और अप्रमाणित आरोप के आधार पर लंबे या अनिश्चितकालीन कारावास की अनुमति देती है- एक नियामक या जांच प्रक्रिया बजाय एक दंडात्मक प्रक्रिया में तब्दील होने का जोखिम रखती है। देश में समय-समय पर घोटालों का शोर मचता रहा है। बोफोर्स घोटालों में हमने देखा है कि आरोपी कोर्ट द्वारा बरी कर दिए गए। जांच एजेंसियों की छवि दिन-प्रतिदिन बिगड़ रही है। आम धारणा यह बन रही है कि जांच एजेंसियां बिना किसी मजबूत सबूतों के नेताओं को कटघरे में खड़ा करती आई है। यद्यपि आम आदमी पार्टी सरकार की आबकारी नीति को नैतिकता के सिद्धांतों के विरुद्ध माना जाता रहा है। क्योंकि एक के साथ एक फ्री दारू की बोतल बांटना सरकार के सामाजिक दायित्वों के खिलाफ है लेकिन कोर्ट के फैसले से केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य पर भ्रष्टाचार के दाग फीके पड़ गए हैं। इस फैसले से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में बाऊंस बैक करने का मौका मिल गया है। पंजाब, गुजरात और गोवा समेत राष्ट्रीय स्तर पर नए सिरे से आक्रामक राजनीति करने का रास्ता भी साफ हो गया है। यद्यपि कांग्रेस आम आदमी पार्टी को भाजपा की बी टीम करार दे रही है और कह रही है कि अरविंद केजरीवाल भाजपा की वाशिंग मशीन में धुलकर आ गए हैं। भाजपा भी कड़ी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रही है लेकिन राजनीति में आम आदमी पार्टी को नया जीवनदान मिला है। अब अरविंद केजरीवाल और उनकी पूरी टीम की सक्रियता बढ़ेगी। देश के सामने सबसे बड़ा सवाल तो यह पैदा हो गया है कि सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता कैसे कायम हो। दोनों जांच एजेंसियों की ओर से जितने भी मामले दर्ज किए जाते हैं उनमें दोष सिद्धि की दर मामूली है तो ऐसा क्यों है। एजेंसियों की साख कम हो चुकी है। यह चिन्ता का विषय है। जांच एजेंसियों की कार्यशैली और उनके अधिकारियों की क्षमता की परख करना बहुत जरूरी है।

सम्पादकीय...

वैश्विक संकट

पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है और इस बार चिंगारी किसी सीमा विवाद या छाया संघर्ष की नहीं, बल्कि खुली सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिका और इजराइल ने जिस समन्वित अभियान के तहत ईरान पर प्रहार किया है, उसने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए था, या फिर पश्चिम एशिया की राजनीति को अपने अनुकूल ढालने की एक सुनियोजित चाल है तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और शासन परिवर्तन के संकेत, यह सब किसी सीमित सैन्य कार्रवाई की परिभाषा में नहीं आता। यह शक्ति प्रदर्शन है। यह संदेश है कि जो अमेरिकी रणनीति के खिलाफ खड़ा होगा, उसे सैन्य कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाहरी हस्तक्षेप से पैदा हुई अस्थिरता अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं। ईरान का जवाब भी उतना ही आक्रामक है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक मिसाइलों की पहुंच दिखाना यह बताता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी के देश भी अपनी जमीन पर हुए हमले के विरोध में ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध में उतरते हैं तो यह आग कई सीमाओं को लांघ सकती है। इससे समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ेगा जिससे संकट केवल क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जायेगा। सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, वह सीधे प्रभावित होंगे। महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिक की जेब पर बोझ पड़ेगा। यह भी स्पष्ट है कि इस टकराव का असर केवल सैन्य या आर्थिक नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद हो रहे हैं, उड़ानें रद्द हो रही हैं, प्रवासी समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा का प्रश्न हमारे लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, मानवीय दायित्व भी है। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बड़ी शक्तियां अलग अलग खेमों में बंटती दिख रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य शक्तियां भी खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह टकराव बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। विश्व युद्ध शब्द का प्रयोग भले अभी अतिशयोक्ति लगे, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट अवश्य बना सकता है। बहरहाल, आज जरूरत है संयम की, संवाद की और कूटनीतिक साहस की। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, स्थायी शांति नहीं। यदि पश्चिम एशिया को फिर से युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी कूटनीति के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

यूथ कांग्रेस के बहाने देश को डरा रही है सरकार

चुनाव आयोग ने केंद्रीय बलों की तैनाती का ऐलान कर दिया है। वैसे तो पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले है लेकिन चुनाव आयोग ने ऐलान किया है कि पश्चिम बंगाल में एक मार्च से ही सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती शुरू हो जाएगी जो 10 मार्च तक पूरी हो जाएगी। आयोग के मुताबिक राज्य में 480 कंपनियों की तैनाती होगी, जिनमें से आधी एक मार्च को और बाकी आधी भी 10 मार्च तक तैनात हो जाएंगी। चुनाव की घोषणा भी 10 मार्च के बाद ही होगी लेकिन उससे पहले राज्य मे केंद्रीय बलो की तैनाती हो जाएगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव अप्रैल में होगा। यह भी कहा जा रहा है कि बाकी राज्यों केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में एक चरण में ही चुनाव होंगे। हो सकता है कि असम का चुनाव दो चरणों में हो लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनाव कई चरणों में होंगे। असल में भाजपा के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं और भाजपा को फीडबैक मिला है कि अगर गली-गली में केंद्रीय बल नहीं तैनात किया गया तो उसके समर्थक वोट डालने नहीं निकलेंगे। पिछले चुनाव के बाद हुई हिंसा से सब डरे हुए हैं, इसलिए केंद्रीय बलों के जरिये डर निकाला जाएगा। लेकिन ज्यादातर जानकार मान रहे हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

एआई समिट में टीशर्ट उतार कर यूथ कांग्रेस के नेताओं ने जो प्रदर्शन किया था उसे केंद्र सरकार ने ने किसी बड़े आतंकवादी हमले की तरह लिया है। इसलिए कांग्रेस का यह आरोप ठीक ही है कि पुलवामा हमले की जांच से ज्यादा तत्परता इस प्रदर्शन को लेकर दिखाई जा रही है। दिल्ली पुलिस ने पूरे देश में छापेमारी की है। कथित रूप से इस प्रदर्शन की साजिश' रचने के आरोप में यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु छिब को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पहले तो भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था कि इसकी साजिश राहुल गांधी के घर पर बनाई गई थी और उसमें सोनिया गांधी व प्रियंका भी मौजूद थीं। तब ऐसा लगा था कि कहीं पुलिस इन तीनों को पकड़ने भी न पहुंच जाए। बहरहाल, यूथ कांग्रेस के करीब एक दर्जन नेता अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किए गए हैं। आमतौर पर इस तरह के प्रदर्शनों के मामले में लोग पकड़े जाते हैं और थाने से ही छूट जाते हैं, लेकिन इस मामले में तो दिल्ली का पटियाला हाउस कोर्ट प्रदर्शन करने वालों को पुलिस रिमांड पर भेज रहा है। यूथ कांग्रेस के नेताओं ने भारत मंडपम में जाकर शर्ट उतार कर प्रदर्शन किया, तो उसमें ऐसा कुछ नहीं है कि जिससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ती है या देश की छवि खराब होती है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सरकार एक मिसाल बनाना चाह रही है ताकि लोग प्रदर्शन करने से डरें।

अब हफ्ता वसूली की राजधानी भी दिल्ली

किसी समय मुंबई में अंडरवर्ल्ड के लोग हफ्ता वसूलते थे, जिसे प्रोटेक्शन मनी कहते थे। बाद में पूरी हिंदी पट्टी में एक परिघटना के तौर पर यह देखने को मिला। बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पहले एक उद्योग के तौर पर अपहरण का काम फला-फूला और उसके बाद लोग जान बचाने के लिए रंगदारी देने लगे। बिहार में तो इस तरह की घटनाएं लगभग बंद हो गईं और मुंबई में भी हफ्ता वसूली कम हो गई है लेकिन अब दिल्ली में यह काम खूब हो रहा है। दिल्ली एक तरह से गैंगस्टर की राजधानी बन गई है, जहां छोटे-बड़े कारोबारियों को आए दिन रंगदारी के लिए फोन आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के कई पुराने पुलिस अधिकारियों ने कहना है कि उन्होंने कभी इस स्केल पर रंगदारी के मामले हैंडल नहीं किए थे। साल 2023 में दिल्ली के बड़े कारोबारियों से रंगदारी मांगने की 204 घटनाएं दर्ज हुईं, उसके अगले साल यानी 2024 में 228 ऐसी घटनाएं हुईं और पिछले साल 2025 में 212 घटनाएं दर्ज हुई हैं। हजारों घटनाओं की तो रिपोर्टिंग ही नहीं हो रही है। लॉरेंस बिश्नोई से लेकर कपिल सांगवान, हिमांशु भाऊ, गोल्डी बरार, नीरज बवाना और हाशिम बाबा गैंग सहित इस तरह के दर्जनों गैंग और भी हैं, जिनकी ओर से लोगों को एक्सटॉर्शन की कॉल जा रही है। इतना ही नहीं, लोगों के घरों और दुकानों पर गोलियां भी चलाई जा रही है। विदेश में बैठे या जेल में बंद गैंगस्टर इन घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

बंगाल में भाजपा केंद्रीय बलों के भरोसे

ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव केंद्रीय सुरक्षा बलों के भरोसे लड़ना चाहती है। चुनाव आयोग ने केंद्रीय बलों की तैनाती का ऐलान कर दिया है। वैसे तो पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले है लेकिन चुनाव आयोग ने ऐलान किया है कि पश्चिम बंगाल में एक मार्च से ही सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती शुरू हो जाएगी जो 10 मार्च तक पूरी हो जाएगी। आयोग के मुताबिक राज्य में 480 कंपनियों की तैनाती होगी, जिनमें से आधी एक मार्च को और बाकी आधी भी 10 मार्च तक तैनात हो जाएंगी। चुनाव की घोषणा भी 10 मार्च के बाद ही होगी लेकिन उससे पहले राज्य मे केंद्रीय बलो की तैनाती हो जाएगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव अप्रैल में होगा। यह भी कहा जा रहा है कि बाकी राज्यों केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में एक चरण में ही चुनाव होंगे। हो सकता है कि असम का चुनाव दो चरणों में हो लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनाव कई चरणों में होंगे। असल में भाजपा के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं और भाजपा को फीडबैक मिला है कि अगर गली-गली में केंद्रीय बल नहीं तैनात किया गया तो उसके समर्थक वोट डालने नहीं निकलेंगे। पिछले चुनाव के बाद हुई हिंसा से सब डरे हुए हैं, इसलिए केंद्रीय बलों के जरिये डर निकाला जाएगा। लेकिन ज्यादातर जानकार मान रहे है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कितने राज्यों के नाम बदलेंगे

केरल का नाम केरलम किए जाने के फैसले से कई राज्यों में नाम बदलने की मांग फिर शुरू हो गई है। कई राज्यों में पहले से मांग चल रही है उसे फिर से उभारा गया है। गौरतलब है कि इस सदी के पहले 25 साल में चार नए राज्य बने और दो राज्यों के नाम बदले गए। नवंबर 2000 में छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तरांचल का गठन हुआ था। सात साल के बाद उत्तरांचल का नाम बदल कर उत्तराखंड किया गया। इसी तरह 2011 में उड़ीसा का नाम बदल कर ओड़िशा किया गया। अलग झारखंड आंदोलन के समय इसका नाम वनांचल रखने की मांग होती थी। लेकिन शिबू सोरेन का झारखंड मुक्ति मोर्चा शुरू से ही झारखंड नाम के समर्थन में था। बहरहाल, अब दिल्ली में नाम बदलने की मांग उठी है। दिल्ली के कई नेता इसका नाम बदल कर इंद्रप्रस्थ करने की मांग कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने भी एक बार फिर नाम बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि अंग्रेजी में पश्चिम बंगाल का नाम डब्ल्यू से शुरू होता है इसलिए उनका राज्य हर सरकारी काम में सबसे नीचे स्थान पाता है। उन्होंने पहले बंगाल, बेंगॉल, बांग्ला जैसे नामों का सुझाव केंद्र को भेजा था। उनकी पार्टी यह भी चाहती है कि पश्चिम हट जाए और सीधे बंगाल नाम रख दिया जाए। उधर बिहार में राज्य का नाम बदलने की मांग तो नहीं हो रही है लेकिन राजधानी पटना का नाम बदल कर पाटलिपुत्र करने की मांग कई नेता कर रहे हैं।

असम भाजपा के नेता कांग्रेसीकरण से परेशान

असम में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने मास्टरस्ट्रोक के तौर पर भूपेन बोरा को पार्टी में शामिल कराया है। भूपेन बोरा तीन दशक से ज्यादा समय तक कांग्रेस में रहे। वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे और संगठन के आदमी माने जाते हैं। उन्होंने सिर्फ कांग्रेस ही नहीं छोड़ी, बल्कि भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए यह बयान दिया कि असम कांग्रेस अब पूरी तरह से धुबरी के सांसद रकीबुल हुसैन के हाथ में है।

इसके दो मकसद हैं। पहला तो कांग्रेस के खिलाफ लगने वाले मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों को स्थापित करना और दूसरा, गौरव गोगोई के महत्व को कम करना। ध्यान रहे गौरव गोगोई अपने को अहोम अस्मिता के प्रतीक के तौर पर पेश करते हैं। बहरहाल, पता नहीं भाजपा का यह मास्टरस्ट्रोक चुनाव में कितना कामयाब होगा। लेकिन भूपेन बोरा के भाजपा में जाने के बाद से प्रदेश भाजपा के नेता अपनी पार्टी के कांग्रेसीकरण का रोना रो रहे हैं। वे परेशान हैं कि पार्टी में ज्यादातर महत्वपूर्ण पदों पर कांग्रेस से आए लोगों को बैठाया जा रहा है और इस चक्कर में भाजपा व संघ के पुराने लोगों की उपेक्षा हो रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आने के साथ ही यह प्रक्रिया शुरू हुई थी। लेकिन पांच साल पहले जब वे मुख्यमंत्री बने तब से इसमें तेजी आई। वे अपने साथ के तमाम पुराने कांग्रेस नेताओं को भाजपा में शामिल करा रहे हैं। अब तक कांग्रेस के 100 से ज्यादा नेता भाजपा में शामिल हुए हैं।

क्या शिंदे को भाजपा ने साध लिया है

महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधन साथी की बेचैनी ने कई नए पेंचोखम उलझा दिए हैं। अभी-अभी तो अजित दादा की पार्टी से भाजपा का ठीक से तालमेल बैठ ही रहा था, सुनेत्रा ताई को सियासत का नया ककहरा कंठस्थ कराने में देवेंद्र फडणवीस की महारथ परवान ही चढ़ रही थी कि एकनाथ शिंदे ने भाजपा की पेशानियों पर नए बल ला दिए हैं। पहले भाजपा के एक बड़े नेता की ओर से शिंदे से कहा गया था कि 'एक बार महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव ठीक ढंग से संपन्न हो जाएं फिर बैठ कर सारी आपसी गलतफहमियां सुलझा ली जाएंगी।' निकाय चुनावों में भाजपा गठबंधन की बंपर जीत के बाद शिंदे ने भाजपा एक बड़े नेता से मिलने का वक्त मांगा, तो समझा जाता है कि शिंदे से कहा गया कि 'वह अभी बहुत व्यस्त हैं, सो वे दूसरे नेता से मिलकर बात कर लें।' सूत्रों की मानें तो भाजपा के इस बड़े नेता संग शिंदे की अब तक दो बार बात हो चुकी है, अंततः उनसे कहा गया है कि 'एक बार उन्हें देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठना पड़ेगा।' सूत्रों की मानें तो शिंदे के मन में अभी भी सीएम के ढाई-ढाई साल के फार्मूले वाली बात चल रही है, पर भाजपा इसके लिए तैयार नहीं दिखती, सो उनसे कहा गया है कि 'अगर शिंदे चाहें तो उनके सांसद पुत्र को केन्द्र सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है।' याद रहे कि शिंदे के बेटे श्रीकांत एकनाथ शिंदे कल्याण से सांसद हैं। इस बीच एक घटना और घट गई जो शिंदे को बेतरह उद्वेलित कर रही है, कहते हैं संसद के इस बजट सत्र के दौरान जब बड़े नेता क्षेत्रीय सांसदों से मिल रहे थे तो इस कड़ी में वे शिवसेना शिंदे गुट के 7 सांसदों से भी बेहद गर्मजोशी से मिले और बोले- 'मैं आप सभी को अपने परिवार की तरह ही मानता हूं, इसीलिए मेरे ऊपर भी आपका पूरा अधिकार है, आप बिना संकोच मुझसे कभी भी मिल सकते हैं।' जाहिर है इन मुलाकाती सांसदों की सूची में शिंदे पुत्र श्रीकांत भी शामिल थे, जिन्होंने अपने पिता को इस मुलाकात के बारे में विस्तार से बताया होगा।

कैसे लाइन पर आए हिमंता

असम भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेतागण और कुछ पार्टी सांसद जो अपने ही मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के रवैए से पिछले कुछ समय से नाराज़ चल रहे थे, वे समय लेकर भाजपा के एक बड़े नेता से मिलने दिल्ली पहुंचे। इस भाजपा नेताओं की आमतौर पर बस यही शय थी कि 'सीएम अपनी बात-व्यवहार में बहुत 'एरोगेंट' हैं और एक 'डिक्टेटर' की तरह सरकार चला रहे हैं।' इस बैठक में मौजूद भाजपा के एक पूर्व अध्यक्ष ने तो यहां तक कह दिया कि 'हिमंता के डीएनए में भाजपा है ही नहीं, वे कांग्रेस से आए हैं और अब भी वैसी ही सोच रखते हैं।' इस नेता की शिकायत थी कि 'सीएम ने तो अपनी पार्टी के लोगों पर ही 'सर्विलांस' लगा रखी है।' उनकी इस बात पर भाजपा के बड़े नेता भी खासे कुपित हुए, बोले- 'भाजपा शासित राज्यों का कोई भी सीएम ऐसा नहीं है जो दावा कर सके कि पार्टी उनकी वजह से वहां जीती है, हमें जो भी वोट आते हैं वे माननीय मोदी जी की वजह से और हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से। वैसे भी इस बार हम फिर से असम में जीत रहे हैं, जीत के बाद हम आप लोगों के साथ मिलकर फैसला लेंगे कि किस नेता के हाथों राज्य की बागडोर देनी है।' इस मीटिंग की खबर जैसे ही हिमंता बिस्वा को लगी उनका खुद के ऊपर अतिविश्वास ही डोल गया। उन्होंने अगले रोज जो प्रेस कांफ्रेंस आहूत की थी उसमें जनाब बदले-बदले से नज़र आ रहे थे, उनके रौद्र रूप की जगह उनकी विनम्र भाव-भंगिमाओं ने ले लिया था, उन्होंने उस प्रेस कांफ्रेंस में खुद को भाजपा का समर्पित कार्यकर्ता बताते हुए कहा- 'मेरा पूरा जीवन भाजपा के लिए समर्पित है, मेरे लिए पार्टी का हर फैसला सिर आंखों पर, जब तक मेरा जीवन है मैं भाजपा व असम के लोगों की सेवा में लगाऊंगा और असम में यह चुनाव किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी पार्टी का है।' पत्रकार भी हैरान-परेशान कि आज उनका सामना किस हिमंता से हुआ है

जब योगी से मिले सुजुकी

योगी आदित्यनाथ अपनी जापान यात्रा में वहां के कई बड़े उद्योगपतियों से मिले। पर इन तमाम बैठकों में उनके नजरिये से सबसे अहम मुलाकात रहने वाली थी सुजुकी मोटर्स के मुखिया तोशीहिरो सुजुकी से। योगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'उनकी दिली इच्छा है कि भारत में सुजुकी का सबसे बड़ा प्लांट यूपी में लगे', योगी ने सुजुकी को संबोधित करते हुए कहा कि 'वे गुड़गांव स्थित उनके मनेसर प्लांट से भी ज्यादा बड़ी जगह यूपी में उपलब्ध कराने को तैयार हैं।' जब तोशीहिरो सुजुकी के बोलने की बारी आई तो वे बोलते-बोलते किंचित भावुक भी हो गए, उन्होंने कहा कि सुजुकी को भारत ले जाने का सपना उनके स्वर्गीय पिता ने देखा था, वे तब के भारत के एक युवा नेता संजय गांधी की दूरदृष्टिता के कायल थे, संजय चाहते थे कि भारत में ही एक ऐसी कार का निर्माण हो जिसे एक आम हिंदुस्तानी की जेब वहन कर सके। सही मायनों में वे जनता की कार चाहते थे, मेरे पिता ने उनकी भावनाओं को समझा और हमने भारत की ओर रुख किया। यह आज सुजुकी का सबसे सफल उपक्रम है, हमारी कंपनी को सिर्फ इस प्लांट से काफी भारी मुनाफा होता है। इस जगह को हम अपने लिए बेहद पवित्र मानते हैं और यहां से हमारा एक 'इमोशनल कनेक्ट' भी है।' तब योगी के साथ गए अधिकारियों ने सुजुकी को समझाया कि 'मुख्यमंत्री जी आपसे गुड़गांव वाला प्लांट छोड़ने की नहीं, अपितु यूपी में एक नया प्लांट लगाने की बात कर रहे हैं।' सुजुकी मुस्कुराए, बोले- 'आपके सीएम की इच्छा जरूर पूरी होगी।'

जब योगीमय हो गया सिंगापुर

इस दफे जब यूपी के लिए निवेश की चाह लिए मुख्यमंत्री योगी सिंगापुर पहुंचे तो 800-1000 लोगों की भीड़ ने योगी-योगी के नारे से सिंगापुर वालों को चौंका दिया हालांकि कुछ सूत्रों का दावा है कि योगी की यह हनक दिखाने के लिए जौनपुर-गोरखपुर के 700-800 लोगों को प्रायोजित ढंग से पहले ही सिंगापुर भेज दिया गया था। सूत्रों का दावा है कि योगी की आने वाली यात्राएं अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों को लेकर अभी से प्लान हो गई है। योगी मंडली का भरोसा है कि दुनिया में जहां भी हिंदुत्व में आस्था रखने वाले लोग रह रहे हैं, वे अपनी धरती पर योगी का दिल खोलकर स्वागत करेंगे।

जब विरोध मैत्री में बदल गया

सिंगापुर की धरती पर कदम रखते ही योगी को इस बात का पता चला कि वहां के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भारतीय छात्र-छात्राओं का एक छोटा सा समूह उनके खिलाफ नारेबाजी कर सकता है। तब योगी ने बेहद चतुराई का परिचय देते हुए छात्रों के उस ग्रुप को पहले ही अपने पास मिलने के लिए बुला लिया। योगी यह समझने की कोशिश करने लगे कि आखिर छात्रों की नाराज़गी किस बात को लेकर है। तब उन छात्रों के गुट ने बताया कि 'वे यहां यूजीसी के विरोध के लिए आए हैं।' कुछ छात्रों के हाथों में यूजीसी विरोध की तख्तियां भी थी। तब योगी ने उन्हें समझाया कि 'आखिरकार यूजीसी से उनका क्या लेना-देना, यह तो केंद्र का मैटर है, इस पर उनका फैसला है। मैं तो बस यूपी के लिए निवेश का आह्वान लेकर आया हूं।' बच्चे योगी की बातों से सहमत हो गए और उन्होंने अपना विरोध-प्रदर्शन वापिस ले लिया।

क्या पीके पड़ गए हैं फीके

बिहार चुनाव को लेकर अपनी दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से 'सुप्रीम फटकार' खाने के बाद कहते हैं पीके ने अपनी जन सुराज पार्टी की कोर ग्रुप की एक अहम बैठक दिल्ली में तलब की थी, पर 25 में कोर ग्रुप के 18 सदस्यों ने बैठक में आ सकने में असमर्थता जता दी। तब ही पीके को कहीं न कहीं इस बात का गहरे इल्म हो चुका था कि 'उनके जन सुराज का 'कॉसेप्ट' फेल हो गया है।' इसके बाद ही वे अपने को सियासी रूप से समीचीन बनाने के रास्ते तलाशने में जुट गए। वे चेन्नै जाकर एक्टर टर्न राजनेता विजय से मिले, पर विजय पीके का पूरा पैकेज लेने को राजी नहीं दिखे। बीएमसी चुनाव से पहले वे उद्धव ठाकरे से और हैदराबाद जाकर चंद्रशेखर राव से भी मिल आए थे, पर वे दोनों ही जगह जब उनकी बात नहीं बनी तो उन्होंने फिर अपने तार सपा मुखिया अखिलेश यादव से जोड़ने की गरज से उन्हें फोन करना शुरू कर दिया। कोई 4-5 कॉल के बाद अखिलेश लाइन पर आए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2011/0882)

होली का त्योहार है आया, सबके रंग लगाएंगे

मुरादाबाद।

साहित्यिक संस्था हिन्दी साहित्य संगम के तत्वावधान में काव्य-गोष्ठी का आयोजन दिल्ली रोड स्थित डॉ अम्बेडकर पार्क में किया गया। राजीव प्रखर द्वारा प्रस्तुत माँ शारदे की वंदना से आरंभ हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता ओंकार सिंह ओंकार ने की। मुख्य अतिथि डॉ. चिरंजी लाल चंचल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव प्रखर मंचासीन हुए। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महासचिव जितेन्द्र कुमार जौली द्वारा किया गया।

जितेन्द्र कुमार जौली ने सुनाया- आओ यारों होली खेलो, मिलकर धूम मचाएंगे। होली का त्योहार है आया, सबके रंग लगाएंगे।। प्रशांत मिश्र ने

सुनाया- नाराज न होना, तुझे हक है मुझसे रूठने का तुझे वो कैसे कह दूं जिस पर आरोप है लाखों दिल टूटने का। कमल कुमार शर्मा ने सुनाया- शब्दों के कुछ तीर चलाकर, लिखी अपनी बोली है। बुरा मान कर क्या होगा और मान भी लो तो होली है।। राजीव प्रखर ने सुनाया- रंगीली बौछारें करके, ले जाना भवसागर पार। कान्हा मेरी घर भी आना, बन कर होली पर

हिन्दी साहित्य संगम ने आयोजित की काव्य-गोष्ठी

हुरियार।। डॉ. चिरंजी लाल चंचल ने सुनाया- जिनको बनना बने सुल्तान, हमारा क्या है। सकते बन हम नहीं दरबान, हमारा क्या है।। ओंकार सिंह ओंकार ने सुनाया- आज प्रकृति ने कर लिया, फूलों से श्रृंगार। उत्सुकता से अब गगन, धरती रहा निहार।। राजीव कुमार गुर्जर ने सुनाया- घर के द्वार पर वो बैठा करता इंतजार, जल्दी से आए पापा कर दूं रंगों की बौछार, होली है फिर भी घर ये कितना सूना-सूना है, रंग है ना रौनक बस रोना-रोना है।

सरकार के आदेश के बावजूद नहीं आई पेंशन

मुरादाबाद। सरकार की सार्वजनिक घोषणा और लिखित आदेश था कि माह के अंतिम दिन होली से पूर्व 28 फरवरी को सेवारत को वेतन और सेवानिवृत कर्मचारियों/ पेंशनर्स को पेंशन मिल जायेगी ताकि वह परिवार सहित सुखद होली मना सकें पर ऐसा नहीं सका। सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी.एल.कुशवाहा एवं मन्त्रमंत्री ओ.पी.त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों ने अवगत कराया है कि आज 28 तारीख है और शाम 6 बजे तक पेशनर्स के खाते मे पेंशन नहीं आई है। इससे लाखों पेंशनर्स व उनके परिवारों के सामने आर्थिक व मानसिक कठिनाई खड़ी हो गई है कि होली का इतना बड़ा त्योहार कैसे मनायें पेंशनर्स प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि कई पेंशनर्स कह रहे हैं कि पेंशन नहीं मिल पाने पर किसी से उधार मांगा वह भी नहीं मिल पाया तो अब क्या करें संगठन के पदाधिकारियों ने इस पर आक्रोश सहित खेद व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा के बावजूद सिस्टम की उदासीनता के चलते पेंशन नहीं मिल पाने से हजारों ,लाखों पेंशनर्स के सामने होली का त्योहार फीका नजर आने लगा है।

रोज़ा सब्र, हमदर्दी और जिम्मेदारी की भावना का प्रशिक्षण देता है- ताहिर मदनी

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, पूर्वी यूपी द्वारा सामूहिक इफ्तार का आयोजन

लखनऊ ।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, पूर्वी यूपी की ओर से मौलवी गंज स्थित कार्यालय में सामूहिक इफ्तार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित लोगों, उलेमा, वकीलों और बुद्धिजीवियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इफ्तार के बाद अपने संक्षिप्त संबोधन में जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, पूर्वी यूपी के सचिव मौलाना मोहम्मद ताहिर मदनी ने रोज़े की अहमियत, उसकी फज़ीलत और उसके आध्यात्मिक तथा सामाजिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रोज़ा केवल भूख और प्यास सहने का नाम नहीं है, बल्कि यह इंसान को आत्मसंयम, धैर्य, करुणा और जिम्मेदारी की भावना की व्यावहारिक शिक्षा देता है। रमज़ान का महीना व्यक्ति को नैतिक मूल्यों की ओर लौटने, गरीबों और जरूरतमंदों की चिंता करने तथा अपने चरित्र को संवारने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में आपसी विश्वास, सद्भावना और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं तथा विभिन्न वर्गों के बीच दूरियों को कम करने का माध्यम बनते हैं। सामूहिक इफ्तार में विशेष रूप से जनरल सेक्रेटरी जमाअत-ए-इस्लामी हिंद पूर्वी यूपी ताहिर जमाल, नाज़िम ए शहर डॉ. अमजद सईद फ़लाही, मोहम्मद ख़ालिद इशू, क़ारी रज़ीउद्दीन सिद्दीकी, मौलाना मुस्तफ़ा मदनी, मौलाना नजीबुर्रहमान मलमली, मसूद जिलानी, पत्रकार गुफ़रान नसीम, एडवोकेट शुऐब सिद्दीकी, एडवोकेट नजमुस्साक़िब खान, एडवोकेट मोहम्मद राशिद, मौलाना अता-उर-रहमान नदवी, तल्हा रशादी, मोहम्मद मुज़म्मिल, उमर ख़ालिद, मोहम्मद आसिफ़ अक़रम खान आदि उपस्थित रहे।

मुहम्मदी जमा मस्जिद में कुरान मुकम्मल

मुरादाबाद।

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मुहम्मदी जामा मस्जिद में कुरान मुकम्मल हुआ इस मौके पर मुल्क व कोम की तरक्की के लिए दुआ मांगी गई। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मोहम्मदी जामा मस्जिद में 11वीं तरावीह पर कलामें पाक मुकम्मल किया गया। तरावीह के दौरान कुराने पाक की तिलावत कारी अब्दुल माजिद के द्वारा की गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में लोगों ने हर रोज पहुंचकर नमाजे तरावीह अदा की। कुरान मुकम्मल होने के मौके पर हाफिज कमर आलम ने दुआ कराई । उनके द्वारा तमाम ए आलम ए इस्लाम की तरक्की की दुआ के साथ-साथ मुल्क में अमनो अमान कायम रहने की अल्लाह से दुआ की। मुफ्ती दानिश उल कादरी ने लोगों को ख़िताब करते हुए कहा हमें रसूले पाक की सुन्नतों पर अमल करके अपनी जिंदगी को गुजरना होगा यह मुकद्दस महीना हमें यह सबक देता है कि हम दुनियादारी की सारी बातों को छोड़कर अल्लाह की बारगाह में खड़े होकर उसकी इबादत करें और दुआ मांगे। उन्होंने

मुल्क व कौम की तरक्की की मांगी गई दुआएं

कहा कि हमें अपने इमान को मुकम्मल रखना होगा और उसे पर चलना होगा तभी हमें जन्नत नसीब होगी। इस मौके पर मुख्य रूप से नायब इमाम हाफिज नवाजिश हुसैन हाफिज आसिफ हाफिज मुहम्मद हसन मस्जिद कमेटी के सदर मोहम्मद जुनैद हाजी बाबू हाजी मोहम्मद सलीम अफरोज अहमद एडवोकेटहाजी रियासत हुसैन हाजी आसिफ मोहम्मद जान तुर्की मास्टर जाबिर हुसैन मोहम्मद अली मोहम्मद अरशद मोहम्मद नाजिम आदि मुख्य रूप से मौजूद थे इस मौके पर कलाम ए पाक मुकम्मल करने वाले हाफिज अब्दुल माजिद को तोहफे दिए और गुलपोशी कर उनका सम्मान किया। दुआ के दौरान मौजूद सभी लोगों को इस मौके पर तबरूक तकसीम किया गया।

लठमार एवं फूलों की होली का लिया आनन्द

मुरादाबाद। राष्ट्रीय पुजारी परिषद द्वारा संचालित हिन्दू संस्कार केंद्र प्राचीन काली माता मंदिर देहरी गांव पर रंगों का त्यौहार होली के अवसर पर लठमार होली एवं फूलों की होली के साथ होली का हुड़दंग हुआ। होली के पावन पर्व पर हिंदू संस्कार केंद्र के बच्चों द्वारा राधा कृष्ण का रूप धारण कर सखियों के साथ खेली बरसाने की लठमार होली । उपस्थित जनसमूह ने राधाकृष्ण की भव्य झांकी के साथ फूलों की होली का भरपूर आनंद लिया और एक दूसरे पर फूल और गुलाल डालकर होली खेली। हिंदू हिंदू संस्कार केंद्र के बच्चों द्वारा होली के परंपरागत जीत गए गए और होली को उत्साह के साथ बनाते हुए प्रस्तुत किया गया । इस अवसर पर राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तौगी, हिंदू संस्कार केंद्र के संयोजक पुजारी महेंद्र शास्त्री, पंडित विनोद शर्मा, पंडित तेज नारायण मिश्रा, पंडित नवल स्वरूप अवस्थी, लटूर सिंह, फौजी प्रेम पाल सिंह सुमन देवी , रेखा,नीलम रोहित शोभा ठाकुर आदि आदि ने उपस्थित होकर होली का आनंद लिया ।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

मेजा प्रयागराज।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज गोसोरा कला मेजा रोड प्रयागराज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्रधानाचार्य स्वतंत्र मिश्रा वह सुशील मिश्रा के साथ सिराथू विधायक श्रीमती पूजा पाल ने दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया।सिराथू विधायक पूजा पाल ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। स्थानीय दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज के प्रांगण में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (एनुअल स्पोर्ट मीट) का अत्यंत उत्साहपूर्ण और भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिराथू की लोकप्रिय विधायक श्रीमती पूजा पाल उपस्थित रहीं। खिलाड़ियों का शानदार मार्च पास्ट कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक

पूजा पाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद स्कूली छात्र-छात्राओं ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। खेल की मशाल प्रज्वलित कर विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं की औपचारिक शुरुआत की गई। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में दिखा दम प्रतियोगिता के दौरान 100 मीटर दौड़, लंबी कूद, जैसे कई रोचक मुकाबले आयोजित किए गए। नन्हें बच्चों के लिए मेढक दौड़ और नींबू-चम्मच दौड़ आकर्षण का केंद्र रहे। छात्र-छात्राओं के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और पूरे मैदान में समर्थकों का शोर गूंजता रहा। सिराथू विधायक पूजा पाल ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी है।खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक पूजा पाल ने कहा, +शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए। खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। जीवन में हार-जीत से ज्यादा भागीदारी मायने रखती है। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्य ने विधायक पूजा पाल का बुके और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत व आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक, बड़ी संख्या में अभिभावक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरा परिसर खेल भावना और उत्साह से सराबोर नजर आया। वहीं विद्यालय के प्रबंधक वह वरिष्ठ समाजसेवी सुशील मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाये भारतः डॉ. एसटी हसन

मुरादाबाद।

ईरान-इजरायल जंग और अमेरिका की दखलंदाजी पर सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद डॉ. एस.टी. हसन की तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने अमेरिका और भारत की वर्तमान विदेश नीति पर कई गंभीर सवाल खड़े किए है। डॉ. हसन ने अमेरिका को ताकतवर गुंडा और सबसे बड़ा डकैत बताते हुए कहा कि अमेरिका चाहता है परमाणु हथियार सिर्फ उसके पास रहें, अन्य देश मिसाइल भी न बना सकें। पूर्व सपा सांसद ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल जाने

पूर्व सपा सांसद ने ईरान-इजरायल जंग और अमेरिका की दखलंदाजी पर व्यक्त की तीखी प्रतिक्रिया

के 48 घंटे के भीतर ये जंग शुरू हुई है। पीएम ने इजराइल में कहा था कि वो हर हाल में इजराइल के साथ हैं। हसन ने कहा कि पीएम को अब बताना चाहिए कि क्या वो इस सूरत में भी इजराइल के साथ हैं डॉ. एसटी

हसन ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी को बताना चाहिए कि क्या हमारे देश की फॉरेन पॉलिसी बदल चुकी है। क्या अब इंडिया फिलिस्तीन के साथ नहीं खड़ा है डॉ. हसन ने कहा कि अमेरिका दुनिया का ताकतवर गुंडा है। वो खुद चाहे जितने परमाणु बम बना ले लेकिन दूसरे मुल्क को परमाणु बम तो दूर, मिसाइल भी नहीं बनाने देता। अगर दुनिया में पावर बैलेंस हो जाएगा तो असंतुलन खत्म हो जाएगा और किसी की मनमानी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमला भी इसी मानसिकता का हिस्सा है। जाहिर सी बात है अमेरिका बहुत बड़ी ताकत है। सबको मालूम है कि ऐसी जंग का अंजाम क्या हो सकता है। पूर्व सांसद ने भारत की विदेश नीति को लेकर भी सवाल उठाए। डॉक्टर हसन ने इस पूरे विवाद को तेल की राजनीति से जोड़ा। उन्होंने कहा कि यह तेल की लड़ाई है। ईरान और पूरे मिडिल ईस्ट में तेल का बड़ा भंडार है। अमेरिका को पैसे की हवस है। वो ईरान में कठपुतली सरकारी बनाकर वहां के तेल भंडार पर कब्जा करना चाहता है। उन्होंने वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी संसाधनों को लेकर दबाव बनाया गया।

दुनिया के सबसे बड़े डकैत ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठा लिया, आज तक उनका अता-पता नहीं। अब इनडायरेक्ट तरीके से तेल के कुओं पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हालात गंभीर हैं और ऐसे समय में भारत को संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनानी चाहिए।

एसआईआर से पहले कांग्रेस की तैयारी पूरी, प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव की बड़ी बैठक

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में लोकसभा ऑब्जर्वर, जिला ऑब्जर्वर, विधानसभा ऑब्जर्वर और बीएलए-1 की महत्वपूर्ण बैठक की. बैठक में दिल्ली की 70 विधानसभाओं के 13,148 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में विशेष रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन भी मौजूद रहे. देवेन्द्र यादव ने बताया कि ब्लॉक अध्यक्षों, विधानसभा ऑब्जर्वरों और बीएलए-1 के संयुक्त प्रयासों से दिल्ली कांग्रेस अब तक 10,138 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति कर चुकी है. बाकी बूथों पर नियुक्ति की प्रक्रिया सघन रूप से जारी है और महापर्व होली के बाद इसे शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा. उन्होंने इसे संगठन की मजबूती की दिशा में अहम उपलब्धि बताया. बैठक में देवेन्द्र यादव और काजी निजामुद्दीन के अलावा पूर्व मंत्री डॉ. नरेंद्र नाथ, लोकसभा और जिला ऑब्जर्वर, विभिन्न जिलाध्यक्षों तथा अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया. सभी नेताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय और प्रभावी बनाने पर अपने सुझाव रखे. संगठन सृजन अभियान को सफल बनाने के लिए जमीनी कार्यकर्ताओं की भूमिका को भी रेखांकित किया गया.

चुनाव आयोग की सूक्ष्मप्रक्रिया से पहले पूरी तैयारी का दावा

देवेन्द्र यादव ने कहा कि चुनाव आयोग अगले महीने से दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है.

उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के तहत वैध वोटों को काटने की किसी भी साजिश को दिल्ली कांग्रेस नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है.

उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर शुरू होने से पहले सभी 13,148 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति सुनिश्चित कर ली जाएगी. उनके अनुसार हर बूथ पर सक्रिय बीएलए-2 किसी भी गड़बड़ी और वोट चोरी की कोशिशों पर नजर रखेगा. देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले एक वर्ष में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि संगठन अब हर बूथ तक पहुंच बना रहा है. संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक अध्यक्ष, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर इंचार्ज, विधानसभा ऑब्जर्वर और बीएलए-1 मिलकर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में से बीएलए-2 की नियुक्ति कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि बूथ मैनेजमेंट कमेटी और जिला व लोकसभा ऑब्जर्वरों के सहयोग से अधिकांश नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं और शेष भी जल्द पूरी कर ली जाएंगी.

'बीएलए-2 बनेगा संगठन की रीढ़', बीजेपी सरकार पर निशाना

देवेन्द्र यादव ने कहा कि बीएलए-2 संगठन की रीढ़ साबित होगा.

उनका दावा है कि यही कार्यकर्ता केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार की कथित नाकामियों, झूठी घोषणाओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी को सीधे जनता तक पहुंचाएगा. उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर सक्रिय नेटवर्क ही भविष्य की राजनीतिक रणनीति की असली ताकत होगा.

पुडुचेरी को 2700 करोड़ की बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और डीएमके शासन पर साधा निशाना

पुडुचेरी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुडुचेरी दौरे के दौरान 2700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुडुचेरी आना उनके लिए सम्मान की बात है और यह संतों, कवियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि रही है। उन्होंने याद दिलाया कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने इसी धरती से राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं पहले यहां आया था, तो मैंने BEST पुडुचेरी का मंत्र दिया था- जिसका मतलब है बिजनेस, एजुकेशन, स्पिरिचुअलिटी और टूरिज्म। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में यह विजन फल दे रहा है। पुडुचेरी में अच्छा शासन और विकास हुआ है। जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश एक ही विजन और लगन से काम करते हैं, तो नतीजे तेजी से और बेहतर होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देशभर में उच्च गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में 12 लाख करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित किए गए हैं।

इससे पुडुचेरी में बेहतर सड़कें, पेयजल आपूर्ति, तटीय ढांचा, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पुडुचेरी को कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत विशेष सहायता दी गई है, जो पहले केवल राज्यों के लिए उपलब्ध थी। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा फंडिंग का मतलब है बेहतर सड़कें, पानी की सप्लाई, कोस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल, अस्पताल और ऐसे कई प्रोजेक्ट।

शिक्षा और युवाओं को बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है। हम सपनों को सपोर्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। एनआईटी कराईकल में नया डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और मॉडर्न हॉस्पिटल की सुविधाएं कई स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल एजुकेशन को मजबूत करेंगी। पुडुचेरी विश्वविद्यालय में भी आधारभूत ढांचे का विस्तार किया गया है।

इलेक्ट्रिक बस और हरित मोबिलिटी

उन्होंने कहा कि आज दुनिया ऐसी मोबिलिटी पर फोकस कर रही है जो ज्यादा साफ और ग्रीन हो। इलेक्ट्रिक गाड़ियां हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गई हैं। पुडुचेरी जैसे टूरिज्म हब में, इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण कम करने के लिए गेम-चेंजर हो सकती हैं। पीएम ई-बस सेवा के तहत, इलेक्ट्रिक बसें दी जा रही हैं। आज हमारे प्रोग्राम से जुड़े हाउसिंग प्रोजेक्ट्स परिवारों को स्टेबिलिटी और डिग्निटी देंगे। पूरे पुडुचेरी में कई सौ करोड़ के प्रोजेक्ट्स हैं।

विपक्ष पर निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा डबल इंजन सरकार जो अच्छा काम कर रही है, उसका जश्न मनाना जरूरी है। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि पहले हालात कैसे थे। कांग्रेस-डीएमके के राज में पुडुचेरी के लोगों को बहुत तकलीफ हुई। वे साल पॉलिटिकल अस्थिरता, करप्शन, क्राइम और गरीबों की तकलीफ से भरे थे। राशन की दुकानों के पास चावल नहीं था, सैलरी में देरी होती थी, गुंडे और ड्रग माफिया का राज था।

टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत, इंग्लैंड से होगी टक्कर

नई दिल्ली। कोलकाता में रविवार को भारतीय बल्लेबाजों ने रनों की होली खेली। संजू सैमसन (97) ने अपनी पारी से भारत को जीत का गुलाल लगाया। टूर्नामेंट में ज्यादातर समय बेंच पर बैठने वाले संजू सैमसन ने वर्चुअल क्वार्टरफाइनल जैसे अहम मुकाबले में मैच विनिंग पारी खेली। ऐसे में भारत ने सुपर-8 के अपने आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। दूसरे सेमीफाइनल में 5 मार्च को भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रन बनाए थे। इस टारगेट को टीम इंडिया ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर चेज कर लिया। भारत की जीत के हीरो भी संजू सैमसन रहे। वहीं हार के साथ वेस्टइंडीज का सफर समाप्त हो गया है।

वेस्टइंडीज की शानदार शुरुआत

मुकाबले की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को तगड़ी शुरुआत मिली। शाई होप और रोस्टन चेज की नई ओपनिंग जोड़ी ने पावरप्ले में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 53 गेंदों पर 68 रन की साझेदारी हुई। वरुण चक्रवर्ती ने इस होप (32) को बोल्ड कर इस पार्टनरशिप को तोड़ा।

बुमराह ने कराई वापसी

इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने 12वें ओवर में वेस्टइंडीज को 2 झटके दिए। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने शिमरोन हेटमायर और 5वीं गेंद पर रोस्टन चेज को पवेलियन भेज दिया। चेज ने 25 गेंदों पर 40 रन की तूफानी पारी खेली तो हेटमायर ने 12 गेंदों पर 27 रन कूट दिए। चेज को 5वें ओवर में एक जीवनदान मिला। अभिषेक शर्मा ने उनका आसान कैच छोड़ दिया।

हार्दिक को मिला 1 विकेट

ड्रिंक्स ब्रेक के बाद 15वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पांड्या ने शेरफेन रदरफोर्ड (14) का शिकार किया। इसके बाद भारतीय गेंदबाज कोई विकेट नहीं ले पाए। रोवमैन पॉवेल 19 गेंदों पर 34 तो जेसन होल्डर 22 गेंदों पर 37 रन बनाकर नाबाद रहे।

अभिषेक का नहीं चला बल्ला

196 रन चेज करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही। बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में अभिषेक शर्मा और ईशान किशन कैच आउट हुए। अभिषेक ने 2 चौकों की मदद से 11 गेंदों पर 10 रन बनाए। वहीं ईशान ने 6 गेंदों पर 10 रन की पारी खेली। 4 नंबर पर उतरे कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ओपनर संजू सैमसन का साथ दिया। संजू ने इस दौरान खुलकर बल्लेबाजी की और हर तरफ शॉट लगाए। वह फील्ड को अच्छे से खेल रहे थे। उन्होंने गैप को आसानी से खोला और कुछ दर्शनीय चौके भी जड़े। संजू सैमसन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया।

लय में नहीं दिखे सूर्या

10 ओवर के बाद भारतीय टीम का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 98 रन था। भारत को अगले 10 ओवर में जीत के लिए 98 रन चाहिए थे। 11वें ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव अपना विकेट गंवा बैठे। भारतीय कप्तान ने 16 गेंदों पर 18 रन की धीमी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 1 चौका और 1 छक्का जड़ा। सूर्या और संजू के बीच 35 गेंदों पर 58 रनों की साझेदारी हुई।

हार्दिक पांड्या भी फेल

विकेट का दबाव साफ नजर आया। 11वें और 12वें ओवर में 3-3 रन बने। इसके बाद तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने कुछ अच्छे शॉट लगाए। 13वें ओवर में भारत ने 17 रन बटोरे। ड्रिंक्स ब्रेक के बाद भारतीय टीम को चौथा झटका लगा। 15वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा कैच आउट हुए। तिलक ने 15 गेंदों पर 27 रन बनाए। जेसन होल्डर की गेंद पर शिमरोन हेटमायर ने उनका कैच लपका। संजू और तिलक के बीच 26 गेंदों पर 42 रन की पार्टनरशिप हुई। हार्दिक पांड्या 17 रन ही बना सके।

शतक से चूके संजू सैमसन

संजू सैमसन ने 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 12 चौके और 4 छक्के लगाए। शिवम दुबे ने 4 गेंदों पर 8* रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए।

कराची में अमेरिकी दूतावास के पास हिंसक झड़प, 10 लोगों की मौत; 30 लोग घायल

इस्लामाबाद । ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के बाद पाकिस्तान के कराची शहर में हालात तनावपूर्ण हो गए। रविवार को माई कोलाची रोड स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास प्रदर्शन हिंसक रूप ले बैठा और प्रदर्शनकारियों की कानून-व्यवस्था बलों से झड़प हो गई। इस प्रदर्शन में 10 लोगों की मौत और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। कराची पुलिस की मुख्य सर्जन सुमैया सैयद ने बताया कि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प के बाद मृतकों के शव कराची सिविल अस्पताल लाए गए। पुलिस अधिकारियों ने मृतकों की संख्या या मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी दूतावास के परिसर के केवल बाहरी क्षेत्र तक ही पहुंच सके थे, उसके बाद उन्हें तितर-बितर कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कराची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। प्रदर्शनकारियों ने दूतावास की ओर कूच किया और प्रवेश करने का प्रयास किया।

आप विश्वगुरु नहीं, खामेनेई की मौत पर संजय सिंह ने केंद्र सरकार को घेरा; ईरान को बताया सचा दोस्त

नई दिल्ली।

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह के बयान ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में संजय सिंह ने खामेनेई के निधन को एक युग का अंत बताया और भारत का सच्चा दोस्त खोने की बात कही। संजय सिंह ने अपने संदेश में लिखा कि ईरान भारत का पारंपरिक मित्र रहा है और उसने कई मौकों पर भारत का साथ दिया। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर भारत के पक्ष में रुख अपनाया, ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग दिया और भारत को सस्ता तेल उपलब्ध कराया। ,आप सांसद ने

मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार से ईरान संकट पर स्पष्ट रुख अपनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब ईरान संकट में है, तब भारत को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए।

अमेरिका और इजरायल पर निशाना

अपने बयान में संजय सिंह ने अमेरिका और इजरायल की नीतियों की आलोचना करते हुए उन्हें वैश्विक तानाशाही करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि वेनेजुएला के बाद ईरान अगला निशाना क्यों बन रहा है।

प्रधानमंत्री पर तीखा हमला

संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर बोलना चाहिए और तंज कसते हुए कहा कि, आज ईरान संकट में है भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। संजय सिंह ने आगे लिखा कि, वैश्विक तानाशाह अमेरिका को रोकना होगा, वेनेजुएला के बाद ईरान आगे कौन अमेरिका और इजरायल की तानाशाही के कुछ तो बोलो मोदी जी, आप विश्वगुरु नहीं गुरुघंटाल हो।

नागपुर में विस्फोटक कारखाने में भयानक धमाका, 17 की मौत, 18 घायल; सीएम ने दिए जांच के आदेश

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को भयानक हादसा हो गया। नागपुर जिले के कटोल तहसील में एक विस्फोटक कारखाने में हुए धमाके में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई।

वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने बताया कि विस्फोटक कारखाने में हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए हैं। जानकारी के मुताबिक कि यह विस्फोट कटोल तहसील के राउलगांव में खनन और औद्योगिक विस्फोटक बनाने वाली कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के कारखाने में हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के प्रतिनिधियों के हवाले से बतायाकि घटना कंपनी की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में सुबह 7 बजे से

7.15 बजे के बीच हुई। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद घायलों को नागपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं हर्ष पोद्दार, एसपी, नागपुर ग्रामीण ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुए विस्फोट में 17 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना में शव बुरी तरह जल चुके थे और उनकी पहचान करना असंभव था। मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए परिवार के सदस्यों के नमूने डीएनए परीक्षण के लिए लिए जा रहे।

सीएम फडणवीस ने दिए जांच के आदेश

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्फोट के कारणों की गहन जांच के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) और सुरक्षा के लिए राज्य सूचना प्रणाली (डीआईएसएस) के अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर मौजूद थी और युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया गया। सीएम ने कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है।

खामेनेई पर यूएस-इस्राइल के हमले की ओवैसी से लेकर प्रियंका गांधी तक ने की निंदा

नई दिल्ली ।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर दुख जताया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने में डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर ईरान पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि हम ईरान पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, अगर वे जिनेवा समझौते पर सहमत होते, तो ईरान के परमाणु भंडारों का इस्तेमाल नहीं होता।

इस हमले में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। मैं अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु को अनैतिक और गैरकानूनी मानता हूं। उन्होंने शिया समुदाय के प्रति संवेदना जताते हुए शांति की अपील की। उन्होंने इस युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया। ओवैसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि

भाजपा सरकार अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करेगी और इस युद्ध को समाप्त करने का आह्वान करेगी।

खामेनेई और निर्दोषों की हत्या घिनौना काम- प्रियंका गांधी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि तथाकथित लोकतांत्रिक दुनिया के नेताओं द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या और निर्दोष लोगों की हत्या घिनौनी है। इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

कांग्रेस का आरोप, सरकार की विदेश नीति पर उठाए सवाल

प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने घुटने टेकने के बाद, प्रधानमंत्री प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

आंख के बदले आंख की नीति पर महात्मा गांधी का स्मरण

एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा कि यह दुखद है कि कई राष्ट्र अब संघर्ष में घसीटे जा चुके हैं। प्रियंका गांधी ने जोर देकर कहा कि दुनिया को शांति की आवश्यकता है, न कि और अधिक अनावश्यक युद्धों की।

उन्होंने कहा, जिम्मेदारों को महात्मा गांधी के शब्दों को याद रखना चाहिए- आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।

जंग के बीच पश्चिम एशिया में सीबीएसई की परीक्षा रद्द

एजुकेशन डेस्क । सीबीएसई ने मध्य पूर्व क्षेत्र में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए नई तिथियां तय की हैं। 2 मार्च 2026 को निर्धारित परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में सीबीएसई संबद्ध स्कूलों की परीक्षाएं टाली गई हैं। बोर्ड ने 3 मार्च को बैठक कर 5 मार्च से आगे की परीक्षाओं पर फैसला लेने का ऐलान किया है। संशोधित तिथियां जल्द ही घोषित की जाएंगी, छात्र अपने स्कूलों से अपडेट ले सकते हैं। यह निर्णय मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात के कारण लिया गया है। छात्र चिंता न करें और नियमित पढ़ाई जारी रखें। बोर्ड सभी आधिकारिक घोषणाएं स्कूलों के माध्यम से करेगा।

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत

तेल अवीव/तेहरान ।

इजराइल की वायु सेना का कहना है कि उसने अमेरिका के साथ संयुक्त हमले में पिछले एक दिन में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। उनके ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामेनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामेनेई के मारे जाने की बात कही थी।

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर 24 घंटे में 1200 बम गिराए

इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि की। खामेनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा, 'हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है।'

इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरुआत करने जा रही है। हमला कुछ देर में शुरू होगा और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

ईरान में 200 की मौत, 740 घायल

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से

ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे।

ईरान का पलटवार- इजराइल समेत 9 देशों पर हमला

अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया। ईरान ने दुबई के पाम होटल एंड रिसॉर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया। इसके अलावा बहरीन में कई रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान के 48 शीर्ष नेताओं को एक ही हमले में मार गिराया गया है। ट्रंप ने आगे यह भी कहा कि नए ईरानी नेता बातचीत करना चाहते हैं। उनको पहले ही वार्ता करनी चाहिए थी। अब बहुत देर हो चुकी है। आगे ट्रंप ने कहा कि वार्ता में देरी कर वो चालाकी करना चाह रहे थे। लेकिन अगर वो बात करने के लिए तैयार है, तो हम भी वार्ता करने के लिए सहमत है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि ये बातचीत कब होगी। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि चल रहे सैन्य अभियान की सफलता पर खुद दुनिया को भरोसा नहीं हो रहा है। उनके मुताबिक एक ही कार्रवाई में 48 नेता खत्म हो गए ।

***ट्रम्प बोले- 48 नेता एक झटके में खत्म हुए, ईरान के 9 जहाज डुबोए**

***नए ईरानी नेता बातचीत करना चाहते हैं, ट्रंप बोले- बहुत देर कर दी, फिर भी हम वार्ता के लिए सहमत**